तापमान
अधिकतम 43 .6 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 27 अप्रैल 2025

12 सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डाली तो होगी कार्रवाई

12 प्राण प्रतिष्ठा के बाद मूर्ति हो जाती है देव तुल्य : ज्ञानानंद

खबर संक्षेप

केयू ने घोषित किए 13 परीक्षाओं के परिणाम

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निदेर्शानुसार विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने 13 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एमएससी भौतिक के पहले सेमेस्टर सीबीसीएस व तृतीय सेमेस्टर, एमएससी सांख्यिकी के पहले व तीसरे सेमेस्टर, एमपीएड के प्रथम, एमटेक इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम तृतीय सेमेस्टर फ्रेश, एमटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय सेमेस्टर (फ्रेश), बीएससी फैशन और टेक्सटाइल डिजाइन तृतीय सेमेस्टर, एमकॉम पार्ट-1, एमए संस्कृत प्रथम सेमेस्टर (फ्रेश), रि-अपीयर व रि-अपीयर सीबीसीएस तथा मई 2023 में आयोजित एमटेक चतुर्थ सेमेस्टर मैकेनिकल इंजीनियरिंग (आईपीई) का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

दुर्घटना के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी निकेत निवासी विवेक विहार को गिरफ्तार किया है। लिहारसा के रहने वाले योगेश कुमार ने 25 अप्रैल 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि घनौर रोड शर्मा क्लीनिक के पास आरोपी गाड़ी चालक ने लापरवाही व तेज गति से गाड़ी चलाते हुए उसकी माता को टक्कर मार दी थी। हादसे में उसकी माता की मौत हो गई थी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला सदर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी निर्मल सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अब दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। शंभू कलां के रहने वाले दीपक ने 28 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 8 जनवरी 2024 को आरोपी निर्मल सिहँ ने विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

सड़क हादसे में मां की मौत और बेटा घायल

पानीपत। पानीपत जिला की रिफाइनरी रोड पर हुए एक हादसे में महिला की मौत और उसके बेटे के घायल होने का समाचार है। एक बाइक ने दूसरी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार महिला मीना देवी की मौत हो गई। जबकि इसका पुत्र विक्रम निवासी असंध जिला करनाल घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया है। इधर, मीना के भाई मेहताब सिंह निवासी गांव काबडी जिला पानीपत की शिकायत पर थाना सदर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक में चल रहे निर्माण कार्य का किया अवलोकन

शहीदी स्मारक के म्यूजियम में लगाई गई 40 लोगों की सीट वाली लिफ्ट

एक से दूसरे फ्लोर तक आसानी से आ जा सकेंगे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

शहीदी स्मारक के म्यूजियम में 40 लोगों की सीट वाली हाईड्रोलिक वर्टिकल लिफ्ट लग चुकी है। यह निचले से ऊपरी फ्लोर तक जाएगी। यह देश में किसी स्मारक पर पहली लिफ्ट होगी।

शनिवार को परिवहन मंत्री अनिल विज ने जीटी रोड पर सन 1857 में देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में शहीदों की याद में बनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शहीदी स्मारक का निरीक्षण भी किया। उन्होंने शहीदी स्मारक का अवलोकन करते हुए म्यूजियम में बनाई जा रही विभिन्न आर्ट एवं डिजिटल गैलियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों व एजेंसी प्रतिनिधियों को कहा कि यहां पर इस कार्य को तेजी से करवाएं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विज ने कहा कि शहीदी स्मारक में तेजी से कार्य किया जा रहा है। 150 के करीब यहां पर आर्टिस्ट, कर्मचारी, अधिकारी यहां पर लगे हुए हैं। ओपन एयर थियेटर में जो 40 सीट वाली हाईड्रोलिक वर्टिकल लिफ्ट लगाई गई है उसका भी मुआयना किया गया है। इसमें एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर तक आसानी से पहुंच सकेंगे। यहां रैंप, सीढियां और हर स्थान पर लिफ्ट का प्रावधान किया है। यहां पर कमल के फूल पर जाने के लिए हाई स्पीड दो लिफ्ट लगाई गई हैं जो 12वीं मंजिल तक जाती हैं। इस मंजिल पर स्काई कैफे बनाने पर कार्य कर रहे हैं। हमें जो पढ़ाया गया है वह गलत था। आजादी की पहली लड़ाई 1857 में लड़ी गई जिसके बारे में आम लोगों को पता नहीं है। तो हम उनको यह दिखाना चाहते हैं कि आजाद होने का जज्बा था वो कांग्रेस के जन्म से बहुत पहले शुरू हो गया था। इतने लोगों ने कुर्बानियां दी और शहीद हुए। झांसी की रानी लड़ी, तांत्या टोपे लड़े, इन्फैंटरी जगह-जगह लड़ी, पेडों से बांध-बांधकर अंग्रेजों ने लोगों को गोलियां मारी और बहुत सारी यूनिटें बाद में डिस्बैंड कर दी गई। सारी चीजें छुपी हुई है जो हम इसे यहां पर दिखाने का काम करेंगे। विज ने स्मारक में निरीक्षण के उपरांत विभागीय अधिकारियों व निर्माण एजेंसी स्टाफ से बैठक की। उन्होंने स्मारक दिखाने के लिए गाइडस के टेंडर करने, लैंड स्केपिंग में सुधार करने, पार्किंग टेंडर करने, सेना से सन- 1857 समय के यदि कोई हथियार हैं तो उन्हें यहां प्रदर्शित करने हेतु लेने एवं अन्य दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्मारक को वाई-फाई युक्त करने, कैफेटेरिया में चढने के लिए रैंप या लिफ्ट का प्रबंध करने। मेंटेनेस के लिए टेंडर करने के साथ-साथ अन्य दिशा निर्देश दिए। मौके पर लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता हरपाल सिंह, कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता नवीन राठी, नपा सदस्य संजीव अत्री, रमन छतवाल व भाजपा नेता बलित नागपाल भी मौजूद रहे।

अंबाला। शहीदी स्मारक में चल रहे कार्य का निरीक्षण करते मंत्री अनिल विज।

- देश में किसी स्मारक पर यह पहली लिफ्ट

सेल्फी प्वाइंट बनाए

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक में कई स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। हम यह भी प्लान कर रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इस शहीदी स्मारक का उद्घाटन होते ही प्रदेश के स्कूल हैं उनमें छठी से 12वीं तक पढने वाले विद्यार्थियों को रोस्टर अनुसार इस स्मारक को दिखाने का काम किया जाएगा ताकि उन्हें भी 1857 की आजादी की पहली लड़ाई का इतिहास पता चल सके।

गीता के उपदेशों में शांति का मार्ग निहित : मैथ्यू

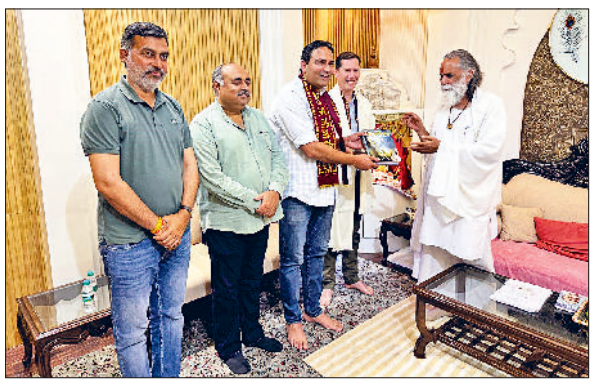

कुरुक्षेत्र। मैथ्यू हितकारी को पवित्र ग्रंथ गीता भेंट करते स्वामी ज्ञानानंद।

- ऑस्ट्रेलिया के सांसद मैथ्यू हितकारी ने किया गीता स्थली ज्योतिसर और गीता ज्ञान संस्थानम का अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया संसदीय क्षेत्र के सांसद मैथ्यू हितकारी ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों में विश्व कल्याण और शांति का मार्ग निहित है। इन उपदेशों को आज हर मानव को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है।

जो व्यक्ति पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाएगा वह मानव निश्चित ही विश्व कल्याण में अपनी अहम भूमिका अदा करेगा। सांसद मैथ्यू हितकारी शनिवार को गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से मिलने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पहले सांसद मैथ्यू हितकारी व ऑस्ट्रेलिया से आए अभिमन्यु, कुरुक्षेत्र 48 कोस तीर्थ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने गीता स्थली ज्योतिसर तीर्थ का अवलोकन किया। यहां पर चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने ऑस्ट्रेलिया से आए मेहमानों को ज्योतिसर तीर्थ के इतिहास और वट वृक्ष के बारे में जानकारी दी। गीता ज्ञान संस्थानम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने सांसद मैथ्यू हितकारी व अभिमन्यु को पवित्र ग्रंथ गीता भेंट कर सम्मानित किया।

हॉस्टल मैस वर्कर्स 1 मई को करेंगे आंदोलन

- हॉस्टल मैस वर्कर यूनियन की बैठक में मांगों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

हॉस्टल मैंस वर्कर यूनियन की आमसभा की बैठक हुई। अध्यक्षता हॉस्टल मैस वर्कर यूनियन के प्रधान सुभाष पारचा ने की और मंच का संचालन यूनियन के महासचिव कृष्ण चंद सैनी ने किया।

बैठक में पहलगाम में आंतकवादी द्वारा धर्म पूछ कर लोगों को मारा गया। होस्टल मैस वर्कर यूनियन कड़े शब्दों में निंदा करती है। पारचा ने कहा 26 मार्च को महिला चीफ वार्डन को एक मांग पत्र दिया गया था। जिसमें मांग थी कि जो कर्मचारी 2022तक या उन से पहले लगें हैं। उन सभी कर्मचारियों को वर्दी भत्ता पहले की तरह दिया जाए। जिन कर्मचारियों को पहले वेतन 7200 रुपये दिया जा रहा था। उनका वेतन 6500 रुपये कर दिया गया है। उनका वेतन भी 7200 रुपये दिया जाए। एक कर्मचारी 2016 से काम कर रहा है। उनका वेतन आज भी 6000 रु दिया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र। वर्कर्स को संबोधित करते हॉस्टल मैस वर्कर यूनियन के प्रधान सुभाष पारचा।

मेडिटेशन से शरीर व विचार शुद्ध होते हैं : बेदी

- ब्रह्माकुमारीज भवन में 'वाह जिंदगी वाह' कार्यक्रम जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाहबाद

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि मेडिटेशन से न सिर्फ मानसिक शांति मिलती है, बल्कि शरीर और विचार भी शुद्ध होते हैं। आत्मा की जागरूकता से व्यक्ति स्थाई खुशी, आनंद और सफलता प्राप्त कर सकता है।

वे शनिवार सुबह ब्रह्माकुमारीज : प्रभु अनुभूति भवन शाहाबाद में चल रहे 8 दिवसीय 'वाह जिंदगी वाह' कार्यक्रम के सातवें दिन बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा समाज में चल रहे विभिन्न प्रकल्पों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राजयोग द्वारा हम पुराने संस्कार बदलकर नए पॉजिटिव संस्कार बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर एवं राजयोगी ब्रह्माकुमार डॉ ई.वी. स्वामीनाथन ने 'आत्मा की शक्ति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राजयोग दो शब्दों से मिल कर बना है: 'राज' (शासन) और 'योग' (संपर्क)। इस का अर्थ है आत्मा का मन और इंद्रियों पर राज स्थापित करना। उन्होंने बताया कि रिसर्च के अनुसार, हमारे विचार पानी, भोजन और शरीर पर प्रभाव डालते हैं।

जो हम दिनभर सोचते हैं, वही हमारी ओरा बनाता है। अब तो वैज्ञानिकों ने भी ऐसा कैमरा विकसित किया है, जिससे ओरा को देखा जा सकता है। इससे जाना जा सकता है कि भविष्य में कौन-सी बीमारी होने की संभावना है। डॉ स्वामीनाथन ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति लगातार 90 दिनों तक गुस्सा नहीं करता, तो उसकी ओरा पॉजिटिव हो जाती है। संस्कार परिवर्तन के लिए व्यक्ति को अल्फा स्टेट में लाना जरूरी है।

युवक को विदेश भेजने के नाम पर हड़पे 7.44 लाख रुपये

- आरोपी पिता पुत्र के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

विदेश भेजने के नाम पर गांव बसातिया वाला निवासी सरनप्रीत सिंह से सात लाख 44 हजार रुपए हड़प लिए। आरोप गुरप्रीत सिंह तथा उसके पिता राजपाल पर लगा है। सरनप्रीत अपने बेटे को रोजगार के लिए विदेश भेजने चाहता था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।

सरनप्रीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का रोजगार की तलाश में विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसकी मुलाकात गुरप्रीत सिंह तथा उसके पिता राजपाल के साथ हुई। आरोपियों ने उसे कहा कि वह युवाओं को विदेश भेजने का काम करते हैं। वह उसके लड़के को भी रोजगार के लिए विदेश भेज देंगे। इसके लिए करीब आठ लाख रुपए का खर्च आएगा। वह आरोपी की बातों में आ गया। उसने आरोपियों को सात लाख 44 हजार रुपए दे दिए। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपियों से बात की तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

देश का भविष्य गांवों की समृद्धि व किसानों की आत्मनिर्भरता से संबंधित : गडकरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

भारत सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा स्वदेशी शोध संस्थान, नई दिल्ली व अन्य शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में विजन 2047: समृद्ध और महान भारत विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन दोपहर के सत्र में बतौर मुख्य वक्ता कहा कि भारत का भविष्य गांवों की समृद्धि व किसानों की आत्मनिर्भरता से संबंधित है।

आजादी के बाद ग्रामीण, कृषि और जनजातीय क्षेत्रों की उपेक्षा की गई। जल, जंगल, जमीन और पशु-संपदा जैसे संसाधनों को नजरअंदाज किया गया, जिसके चलते गांवों में न तो विकास हुआ, न रोजगार विकसित हुआ। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं भी सीमित रह गईं। उन्होंने कहा कि यदि देश के गांवों में केवल 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत सड़कों का निर्माण किया जाए, तो देश की जीडीपी में 1,10,000 करोड़ रुपये की वृद्धि संभव है। इस योजना के चलते आज देश के 6.5 लाख गांवों में से 4.5 लाख गांव मजबूत सड़कों से जुड़ चुके हैं। इससे पहले स्वदेशी शोध संस्थान के राष्ट्रीय संयोजक आर सुदंरम व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत किया।

- कुवि एवं स्वदेशी शोध संस्थान के तीसरे दिन आत्मनिर्भर भारत बनने का दिया मूल मंत्र

चरस के साथ आरोपी काबू

- आरोपी से 3 .33 लाख की ड्रग मनी व विदेशी करंसी भी जब्त
- सीआईए टू ने आरोपी को छह दिन के रिमांड पर लिया, पूछताछ जारी

अंबाला। सीआईए टू ने नशा तस्करी के मामले में एक आरोपी को काबू किया है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 200 ग्राम चरस, 3,33,400 रूपये ड्रग्स मनी, 2046 अमेरिकन डॉलर, 3285 नेपाल करंसी, 15 सउदी अरब करंसी, 5 यूएई करंसी, 38.30 ग्राम सोना अंगूठी व 251.23 ग्राम चांदी की चेन भी जब्त की है।

अब पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। एसपी अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि पुलिस चरस बेचने के मामले में मोहाली के सन्नी व्यू कांप्लेक्स देसू माजरा सेक्टर 125 के रहने वाले इंद्रजीत सिंह को काबू किया था। आरोपी अभी यूपी के सरवस्ती जिले के गांव बनकटवा टेंडुवा में रहता है। तलाशी के दौरान ही पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चरस के साथ ड्रग्स मनी, अमेरिकन डॉलर, नेपाल करंसी, सऊदी अरब कंरसी, यूएई करंसी, सोना व चांदी के गहने भी जब्त किए थे। अब पुलिस ने आरोपी को छह दिन के रिमांड पर लिया है।

मास्टर गेम्स में बास्केटबॉल टीम का किया प्रतिनिधित्व

मेजर भानु प्रताप ने दिलाया स्वर्ण पदक

- हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में नेशनल मास्टर गेम्स आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

भारतीय सेना की पूर्वी कमान में मेजर के पद पर तैनात जगाधरी के भानु प्रताप ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित नेशनल मास्टर गेम्स 2025 में हरियाणा बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश, जिला व सेना का गौरव बढ़ाया है। जगाधरी निवासियों ने मेजर भानु प्रताप की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है।

जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 निवासी मेजर भानु प्रताप के पिता सोमेश सिंह राणा व टीम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी राजेश बजाज ने संयुक्त रुप से बताया कि मौजूदा समय में मेजर भानु प्रताप भारतीय सेना की पूर्वी कमान में राष्ट्रसेवा कर रहे हैं। वह भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से स्थायी कमीशन अधिकारी के रूप में सेना में शामिल हुए थे।

यमुनानगर। मेजर भानु प्रताप बास्केटबॉल टीम के नेतृत्व के दौरान जीते हुए स्वर्ण पदक को दिखाते हुए।

सेना और खेल दोनों में किया उम्दा नेतृत्व

उन्होंने सेना और खेल दोनों ही क्षेत्रों में अनुशासन, समर्पण और नेतृत्व का अद्भूत उदाहरण प्रस्तुत किया है। मेजर भानु प्रताप ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में गत 20 अप्रैल से 26 अप्रैल तक आयोजित नेशनल मास्टर गेम्स 2025 में हरियाणा बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान मेजर भानु प्रताप की खेल प्रतिभा, फूर्ती और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में देखने को मिला। गेम्स में उनकी टीम ने तीन राज्यों को हराकर फाइनल मैच में प्रवेश किया। फाइनल मैच में मेजर भानु प्रताप के नेतृत्व में हरियाणा की बास्केटबॉल टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश, जिला व सेना का गौरव बढ़ा दिया। फाइनल मैच में मेजर भानु प्रतार की सूझबूझ और प्रेरणादायक प्रदर्शन से टीम स्वर्ण पदक जीतने में सफल हुई। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी राजेश बजाज ने बताया कि यह उपलब्धि न केवल खेल जगत के लिए गर्व की बात है। बल्कि देश के लिए समर्पित सैन्य अधिकारी के रूप में एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है।

तेल चोरी का आरोपी उत्तर प्रदेश से पकडा

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस टीम ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की मथुरा-पानीपत पाइप लाइन से तेल चोरी के मामलों में फरार पांच हजार के इनामी आरोपी संदीप निवासी गांव बोडा जिला बागपत को सहारनपुर से गिरफ्तार किया है। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि संदीप ने ने गिरोह के पहले गिरफ्तार हो चुके अपने साथी आरोपी इशाक निवासी धामड़ रोहतक, सुनील निवासी मनाना समालखा व फरार एक अन्य साथी आरोपी के साथ मिलकर पाइप लाइन से तेल चोरी की उक्त वारदतों को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पुलिस ने संदी को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से चोरी किया तेल व वारदात में प्रयुक्त गाड़ी बरामद करने व फरार आरोपी के ठीकानों का पता लगा काबू करने का प्रयास करेगी।

फैक्ट्री से सामान चोरी के दो आरोपी काबू

- आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश कर शुरु की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

थाना जगाधरी सिटी क्षेत्र की पुलिस चौकी बुढ़िया गेट की टीम ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दोनों ने छह दिन पहले बर्तन फैक्ट्री में चोरी कर 55 किलो का पीतल का चक्का चोरी कर लिया था। आरोपियों से चोरी का सामान बरामद किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

चौकी इंचार्ज गुरदयाल सिंह ने बताया कि केसर नगर जगाधरी निवासी जगजीत सिंह की बर्तन फैक्ट्री में 21 अप्रैल को चोरी हुई थी। फैक्ट्री से करीब 35 किलो के बर्तन बनाने के पीतल के चक्के को सामान चोरी हुआ था। केस दर्ज होने के बाद जब जांच पड़ताल शुरू की तो चोरो का सुराग मिल गया। चोरी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान लाल विहार कॉलोनी जगाधरी निवासी इंद्रजीत महाराज उर्फ निरंजन पुत्र धर्म महाराज व मुखर्जी पार्क जगाधरी निवासी अजीत गिरी पुत्र रवि शंकर गिरी के रूप में हुई। आरोपियों से चोरी का पीतल का चक्का बरामद किया गया।

यमुनानगर में पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी चोर।

खबर संक्षेप

यमुनानगर के गांव कांसापुर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते डॉक्टर।

मोबाइल मेडिकल शिविर में 63 का जांचा स्वास्थ्य

रादौर। जिंदल फाउंडेशन के तत्वावधान में गांव कांसापुर में निःशुल्क मेबाइल मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल जांच शिविर में चिकित्सकों ने 63 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि मोबाइल मेडिकल युनिट शिविर में एमबीबीएस चिकित्सकों द्वारा 63 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान 21 लोगों के यूरिन व रक्त के सैंपल लिए गए। मौके पर चिकित्सकों ने मरीजों को बीमारियों से बचाव के उपाय बताए और मुफ्त दवाइयां दी गई।

मुफ्त अल्ट्रासाउंड और स्वास्थ्य जांच कैंप आज

जींद। रिद्धि-सिद्धि क्लब द्वारा कुंदन सिनेमा के सामने सफीदों रोड पर 27 अप्रैल रविवार को मुफ्त अल्ट्रासाउंड, एक्सरे एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। क्लब संचालक सुभाष चंद्र अनेजा, संरक्षक राजन चिल्लाना ने बताया कि शिविर में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मुख्यअतिथि होंगे।

बच्चों ने किया मिल्क प्लांट का भ्रमण

जींद। आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहिरका के छात्रों ने कंडेला में स्थित लक्ष्य मिल्क प्लांट का दौरा किया और वहां पर जितने भी दुग्ध पदार्थ बनाए जाते हैं, उनकी प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस प्रक्रिया के दौरान जितनी भी वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग होता है उसे भी समझा।

एनएसएस की तीसरी यूनिट का कैंप आयोजित

जींद। चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी में एनएसएस की तीसरी यूनिट का एक दिवसीय कैंप आयोजित किया गया। जोकि एनएसएस काऑर्डिनेटर डा. जितेंद्र के निर्देशानुसार एवं प्रोग्राम ऑफिसर डा. ज्योति मलिक के द्वारा करवाया गया। इसमें सभी स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

आटो की चपेट में आने से बाइक चालक घायल

कैथल। गांव तारावाली के निकट ऑटो की चपेट में आने से एक बाइक चालक घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। तारांवाली के अर्जुन कुमार ने गुहला पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 17 अप्रैल को जब वह बाइक पर सवार होकर तारावाली के बस अड्डे के निकट से गुजर रहा था तो एक ऑटो चालक ने अपने ऑटो को तेज गति और लापरवाही से चलते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

छात्रों को बताए मलेरिया से बचने के उपाय

जींद। शिरडी सांई स्कूल डोहाना खेड़ा में छात्रों को एमपीएचडब्ल्यू संदीप एवं शिव कुमारी ने मलेरिया से बचाव कैसे करें के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संदीप ने बताया कि हमें खाने-पीने की वस्तुओं को ढक कर रखना चाहिए ताकि मच्छर, मक्खी न बैठें।

कांग्रेस ने आतंकी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

कैंडल मार्च निकालकर आतंकी हमले में मौत का शिकार हुए मृतकों को दी श्रदांजलि

हमले के दोषियों पर हो कठोर कार्रवाई, अब समय आ गया है पाक को उसकी करतूतों का उचित जवाब दिया जाए: त्यागी

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमन त्यागी ने किया कैंडल मार्च का नेतृत्व

यमुनानगर। कैंडल मार्च निकालते कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

पहलगांव में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने व आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा शहर में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च का नेतृत्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमन त्यागी ने किया।

मौके पर जगाधरी के कांग्रेस विधायक चौधरी अकरम खान भी मौजूद रहे। कांग्रेस के सैंकड़ो कार्यकर्ता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं यमुनानगर विधानसभा से प्रत्याशी रहे रमन त्यागी के नेतृत्व में शहर के नेहरु पार्क में एकत्र हो गए। इसके बाद कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता अपने हाथों में कैंडल जलाकर नगर में निकल पड़े।

इस दौरान कैंडल मार्च नेहरु पार्क से शुरु होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ अंत में शुभारंभ स्थल पर जाकर संपन्न हुआ। कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाकर अपना रोष जताया। मौके पर कैंडल मार्च का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमन त्यागी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जो निहत्थे पर्यटकों पर घृणित आतंकी हमला किया है वह इंसानियत और मानवता के खिलाफ काफी निंदनीय कृत्य है। इसकी कांग्रेस कड़े शब्दों में निंदा करती है। उन्होंने आतंकी हमले को पूरी तरह पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित बताया।

उन्होंने केंद्र सरकार से इस हमले के दोषियों व उनके हमदर्दों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की। रमन त्यागी व कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आतंकी हमलों की बार बार हो रही घटनाएं चिंताजनक हैं। उन्होंने मांग की कि दोषियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई की जाए जिससे भविष्य में कोई इस तरह का अपराध करने से पहले सौ बार सोचे। पाकिस्तान की यह नापाक हरकत पूरे देश के सामने है। जहां आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि सभी धर्म के लोग शहीदों के परिवार के साथ खड़े हैं।

भारत मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम

एक स्वर में पाक को आतंक का सरगना बताया

सभी प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में पाकिस्तान को आतंकवाद का सरगना बताते हुए इस हमले का उचित जवाब देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भारत आतंकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है और अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को उसकी करतूतों का उचित जवाब दिया जाए। पूर्व विधायक राजपाल भूखड़ी, राय सिंह, सतपाल कौशिक, सतीश सांगवान, डॉ. राजन, गुरदयाल पूरी, देवेंद्र सिंह, जयकुमार, सेवा सिंह, विक्रांत ससौली, तरसेम, विजय मारवाह, सतीश तेजली, दिनेश डूमरा, जयपाल, जाकिर, उमेश बुबका, नरसिंह पाल, साही राम, विशाल शर्मा, पप्पु, आनंद, राजू सपरा, कश्मीरा सिंह व कर्ण सिंह आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। एमएलएन स्कूल में आयोजित एक्टिविटी कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

विद्यार्थियों ने वेस्ट चीजों से बनाया बेस्ट सामान

- एमएलएन सीनियर सैकेंडरी स्कूल में अपसाइकलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन
- स्कूल के प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

एमएलएन सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को अपसाइकलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कक्षा 11वीं व 12वीं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस गतिविधि में भाग लिया।

प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने बताया कि कार्यशाला में विद्यार्थियों ने बेकार पड़ी वस्तुओं से मूल्यवान सामग्री तैयार की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों का उच्च गुणवत्ता वाले या उच्च मूल्य के उत्पादों में रूपांतरण करना रहा। विद्यार्थियों ने सीखा कि किस प्रकार से पुराने कपड़ों, प्लास्टिक कंटेनरों और अन्य घरेलू सामान का रचनात्मक रूप से पुनः उपयोग किया जा सकता है। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भी समझाया गया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कई उपयोगी वस्तुएं तैयार की।

प्रधानाचार्य ने सराहा

प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने इस गतिविधि में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का आयोजन प्रियंका, विरदी, संध्या, आरती द्वारा किया गया।

लिंग जांच व भ्रूणहत्या जघन्य अपराध: परमार

- स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव मादुबांस में लिंगानुपात सुधार कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिंगानुपात में सुधार कार्यक्रम के तहत गांव मादुबांस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रादौर के एसएमओ डॉ. विजय परमार व महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सीडीपीओ कुसुम लता ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। एसएमओ डॉ. विजय परमार ने कहा कि क्षेत्र में लिंगानुपात में काफी सुधार है। मगर इसके बावजूद हमें सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने तीन वर्ष के लिंगानुपात के आंकड़ों को सांझा किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी वर्करों को बताया कि लिंग जांच व भ्रूण हत्या जघन्य अपराध हैं। इसे रोकने के लिए सहयोग कर सकती हैं। यदि कोई अल्ट्रासाउंड सेंटर गैर कानूनी रूप से लिंग जांच करता है या फिर कोई चिकित्सक लड़का होने की शर्तिया दवाई देता है तो इसकी सूचना संबंधित एरिया की सीएचओ या एएनएम को दी जा सकती है। संदिग्ध मामलों पर नजर रखें। महिलाओं को विशेष तौर पर जागरूक किया जाए। जिनके पास पहली बेटी है और दूसरी बार गर्भवती हैं ऐसी महिलाओं पर विशेष रूप से निगरानी रखी जाए। सरकार ने बालिकाओं के हित में प्रोत्साहन योजनाएं चलाई हुई हैं।

यमुनानगर। गांव मादुबांस में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते एसएमओ डॉ. विजय परमार व अन्य। फोटो: हरिभूमि

शिकायतों व दर्ज मामलों का तय समय में करें निपटान: भोरिया

एसपी ने की बैठक की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में जिलास्तरीय अपराध व कानून एवं व्यवस्था समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया ने की। बैठक में में पर्यवेक्षण अधिकारी व थाना प्रबंधको को अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए दिशा निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया ने बैठक में अपराधिक आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए पिछली अपराध समीक्षा बैठक में उठाए गए व पुलिस हेडक्वार्टर से प्राप्त हुए बिंदुओ पर थानावार चर्चा की। उन्होंने कहा कि थाना में आने वाली सभी शिकायतों का समय पर निस्तारण करें। लंबित शिकायतों का समयावधि में निपटारा करें।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित जिलास्तरीय बैठक में दिशा निर्देश देते हुए एसपी सुरेंद्र सिंह भोरिया। फोटो: हरिभूमि

दो भाइयों पर तलवार से हमला

दुकान के सामने से बाइक हटाने को बोला तो दोस्तों संग किया हमला

- आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए

यमुनानगर। शहर के गोविंदपुरा में दुकान के सामने से बाइक हटाने को बोलने पर एक युवक ने अपने आधा दर्जन अन्य साथियों के साथ मिलकर दो भाइयों पर तलवार से हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने दुकान के बाहर खड़ी तीन एक्टिवा भी तोड़ दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गढ़ी गुजरान हमीदा निवासी मोहम्मद इकराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गोविंदपुरा में उसके पिता की एक्टिवा ठीक करने की दुकान है। वह तथा उसका भाई समीम दुकान पर काम करते हैं। 25 अप्रैल को विशाल उनकी दुकान पर बाइक लेकर आया। उन्होंने विशाल को बाइक साइड में खड़ी करने के लिए कहा मगर आरोपी तैस में आ गया। आरोपी ने उनके साथ गाली-गलोज करना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपी वहां से चला गया। आरोपी ने इंस्टाग्राम पर फोन करके उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी शाम को अपने आधा दर्जन साथियों के साथ दुकान पर आया। आरोपियों ने आते ही उन पर तलवार व डंडों से हमला कर दिया।

खुशी ने जीती पीपीटी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

डीएवी गर्ल्स कॉलेज में शनिवार को आईसीसी और आईपीआर के संयुक्त तत्वावधान में आईपीआर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पीपीटी व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रिंसीपल और आईआईसी अध्यक्ष डॉ. सुरिंद्र कौर, आईसीसी कन्वीनर विवेक व डॉ. अनीता मौदगिल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में पुरनूर भान सिंह बराड़ ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता पुरनूर भान सिंह बराड़ ने आईपीआर के अधिकारों को लेकर छात्राओं को जागरूक किया। विशेषकर कॉपीराइट अधिनियम 1957 के महत्व की जानकारी दी। इस मौके पर पीपीटी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पीपीटी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीए की खुशी रही। वहीं, दूसरे स्थान पर बीए (इकोनॉमिक्स ऑनर्स) की वासुकी और तृतीय स्थान पर बीसीए की जानवी ने स्थान प्राप्त किया। हरमनप्रीत और खुशी को प्रशंसा का पुरस्कार दिया गया। वहीं, पोस्टर प्रतियोगिता में पहला स्थान बीए (इकोनॉमिक्स ऑनर्स) की चंचल, बीए की ईशा ने दूसरा व बीकॉम (कंप्यूटर साइंस) की सिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

यमुनानगर के डीएवी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित करती प्राचार्या। फोटो: हरिभूमि

दिन दहाड़े घर का ताला तोड़ पांच लाख के गहने उड़ाए

यमुनानगर। जिले में हो रही चोरियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस बार चोरों ने थाना जगाधरी सदर क्षेत्र के गांव ज्ञानेवाला में आरएमएस कर्मचारी के घर का ताला दिन में ही तोड़ दिया। चोरों ने घर में रखे करीब पांच लाख रुपये कीमत के जेवर चोरी कर लिए। घटना के समय कर्मचारी परिवार के साथ नई बाइक खरीदने के लिए शहर आया हुआ था। जानकारी के अनुसार गांव ज्ञानेवाला निवासी प्रिंस सैनी ने बताया कि वह अंबाला में आरएमएस कर्मचारी है। उसके माता-पिता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए गए हुए हैं। शुक्रवार दोपहर वह अपनी पत्नी नेहा व भाई अुकुश के साथ नई बाइक खरीदने के लिए गया था। दोपहर करीब ढाई बजे लौटा तो मकान के ताले टूटे हुए ?थे। अंदर गए ?तो पूरा सामान बिखरा पड़ा ?था। चोरों ने स्टोर रूम में रखी अलमारी का लॉक तोड़ कर लेडिज व जेंट्स पांच अंगूठी, सोने की एक चेन, एक जोड़ी टॉप्स, एक जोड़ी झुमका व कुछ चांदी का सामान गायब था। जिनकी अनुमानित कीमत पांच लाख रुपये है। प्रिंस ने तुरंत ही थाना पुलिस को सूचना दी तो पुलिस भी पहुंच गई। मौका मुआयना कर शिकायत ले ली।

डिवीजन स्तर पर सीजीआरएफ का होगा गठन: गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग की उपभोक्ता संरक्षण सेल की पहली फील्ड बैठक यमुनानगर के जिमखाना क्लब में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के सदस्य (विधि) मुकेश गर्ग ने की। इस दौरान बैठक में विद्युत लोकपाल आरके खन्ना भी मौजूद रहे। आयोग के सदस्य मुकेश गर्ग ने कहा कि उपभोक्ताओं के अधिकारों को सशक्त करने की दिशा में यह पहल यमुनानगर से शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2 फरवरी 2024 को सदस्य (विधि) का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में 21 सर्कल स्तरीय सीजीआरएफ, 4 जोनल सीजीआरएफ और 2 कॉर्पोरेट सीजीआरएफ कार्यरत हैं। जो उपभोक्ताओं की विभिन्न स्तर की शिकायतों की सुनवाई करते हैं। आयोग ने अब निर्णय लिया है कि डिवीजन स्तर पर भी सीजीआरएफ का गठन किया जाएगा। ताकि शिकायतों का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान हो सके। गर्ग ने सभी अधिकारी व उपभोक्ताओं से आहवान किया कि सभी मिलकर एक ऐसी प्रणाली विकसित करें जिससे हर शिकायत का ट्रैकिंग संभव हो और समाधान की समय सीमा सुनिश्चित हो।

यमुनानगर। जिम खाना क्लब में आयोजित उपभोक्ता संरक्षण सेल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयोग के सदस्य मुकेश गर्ग। फोटो: हरिभूमि

प्लाइवुड मैन्युफैक्चरर्स एसो ने किया नवनियुक्त एसपी का स्वागत

क्षेत्र में नशे के धंधे पर अंकुश लगाए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

प्लाइवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन यमुनानगर के पदाधिकारियों ने जिलासचिवालय में नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया का बुके भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान एसोसिएशन के प्रधान जेके बिहानी ने एसपी से नशा के धंधा पर अंकुश लगाए जाने की मांग की। एसोसिएशन के जेके बिहानी व उप प्रधान सतीश चौपाल के नेतृत्व में प्लाइवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएसन का प्रतिनिधिमंडल जिला सचिवालय में नवनियुक्त एसपी सुरेंद्र सिंह भोरिया के कार्यालय में पहुंचा।

यमुनानगर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में मुख्यवक्ता को सम्मानित करते निदेशक व अन्य।

प्राथमिक चिकित्सा के प्रति जागरूक

रादौर। रादौर के जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के युथ रेडक्रॉस सोसायटी क्लब के तत्वावधान में शनिवार को एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाईआरसीएस क्लब की प्रभारी निशा रहेजा ने की। रैडक्रास सोसायटी के जिला प्रशिक्षण अधिकारी शशि भूषण व जसबीर सिंह द्वारा हृदय गति पुनर्स्थापन, रक्तस्त्राव नियंत्रण, जलने की घटनाओं में प्राथमिक उपचार, आपातकालीन परिस्थिति में सहायता के अन्य उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

अंशिका मिस और केशव बने मिस्टर फेयरलवेल

- ग्लोबल ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित हुई फेयरवेल पार्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी नाचरौन(रादौर) में बीसीए और बीटैक सीएससी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। फेयरवेल पार्टी में जुनियर्स ने अपने सीनियर्स के सम्मान में सांस्कृतिक समेत विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर सभी को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की वाइस चेयरमैन इंदु जिंदल, निदेशक डॉ. लक्ष्य अग्रवाल व कंप्यूटर साइंक विभागाध्यक्ष कोमल आहूजा ने दीप प्रज्जवलित करके किया। संस्थान के निदेशक डॉ. अक्ष्य अग्रवाल ने बताया कि निर्णायक मंडल द्वारा बीसीए से छात्रा अंशिका को मिस फेयरवेल और छात्र केशव को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। वहीं, बीटैक सीएससी से वंदना को मिस फेयरवेल व मनीराम को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। सभी चयनित प्रतिभागियों को सैशे और क्राउन पहनाकर सम्मानित किया गया।

यमुनानगर। ग्लोबल रिसर्च शिक्षण संस्थान में फेयरवेल पार्टी में मिस फेयरवेल व मिस्टर फेयरवेल चुने गए विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए आयोजक।

भावविभोर कर दिया

निदेशक डॉ. लक्ष्य अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को कहा कि वह भविष्य में जहां भी जाएं संस्थान का नाम रोशन करें और अपने लक्ष्य को हासिल करके अपने अभिभावकों और देश व प्रदेश का गौरव बढ़ाएं। मौके पर संस्थान की वाइस चेयरमैन इंदु जिंदल ने विद्यार्थी जीवन की उपलब्धियों को सराहा और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मौके पर विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गायन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सीनियर्स को भावविभोर कर दिया।

यमुनानगर। दून पब्लिक स्कूल बुबका में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

अहिल्या बाई के साहस और संघर्ष की जानकारी

रादौर। दून पब्लिक स्कूल बुबका में शनिवार को अहिल्या बाई होलकर के जन्मोत्सव की श्रृंखला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे अहिल्या बाई होलकर के साहस और संघर्ष के विषय में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. विमल गर्ग व वीरेंद्र सैनी ने भाग लिया। स्कूल प्रधानाचार्या रेखा कांबोज ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर विद्यार्थियों को अहिल्या बाई होलकर के जीवन व भारतीय इतिहास में उनके कुशल प्रशासक के रूप में दिए गए योगदान से अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल अध्यापको व विद्यार्थियों ने कविता व भाषण के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्रा समृद्धि, अक्षरा व युक्ति ने अपने भाषण में अहिल्या बाई होलकर के शासन काल के बारे में बताया कि उन्होंने करीब 40 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया।

खबर संक्षेप

जरूरतमंद बच्चों को किताबें व स्टेशनरी बांटी

पिहोवा। भारत विकास परिषद पिहोवा शाखा द्वारा राजकीय आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालय फौजी प्लाट पिहोवा में जरूरतमंद बच्चों में किताबें व स्टेशनरी का सामान वितरित किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के प्रधान नवीन गर्ग ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें जीवन में पढ़ाई के महत्व को समझाया और भारत भूषण पपनेजा ने विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षक के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षक के बताए हुए मार्ग पर चलकर ही बच्चा अपने जीवन में बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है।

हेल्थ कैंप लगाकर जांचा 67 लोगों का स्वास्थ्य

पिहोवा। लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की ओर से चलाई गई मेडिकल वैन शनिवार को गांव झिवरेड़ी और सतोड़ा में पहुंची। इन दोनों गांवों में डॉ. पूरणमल के नेतृत्व में ग्रामीणों का चेकअप करने के बाद उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गई। डॉ. पूरण मल ने बताया कि गांव सतोड़ा में 32 लोगों को दवा देकर 9 मरीजों के लैब टेस्ट किए गए। जबकि झिंवरेड़ी में 24 ओपीडी के साथ दो लोगों के लैब टेस्ट हुए। कुल 67 लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया गया।

आक्रोश रैलियां निकाल कर पाकिस्तान के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

पहलगाम हमले के विरोध में सड़कों पर दिखा लोगों का गुस्सा, बाजार रहे बंद

लोगों ने आतंकवाद का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आंतकी हमले के विरोध में जिले में लोगों का गुस्सा शनिवार को सड़कों पर दिखा। थानेसर शहर में अधिकतर बाजार एक से तीन घंटे तक बंद रहे। व्यापारियों और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर रैलियां निकाल पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान आतंकवाद के पुतले भी जलाए गए। शहर में विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले विभिन्न हिंदू संगठनों, समाजसेवी संस्थाओं और व्यापारियों ने आक्रोश रैली निकाली। दुकानदारों ने व्यापार मंडल के आह्वान पर दोपहर 12:00 बजे तक अपनी दुकानें पूर्णतया बंद रखीं। इस दौरान पूरे बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। यह आक्रोश रैली सेक्टर 17 एलआईसी से होकर पुराना बस स्टैंड, छोटा बाजार, सीकरी चौक, नगर पालिका कॉम्पलेक्स, सेक्टर 17 की मार्किट से होते हुए वापस एलआईसी कार्यालय के समक्ष पहुंची। अहिल्याबाई चौक पर आतंकवाद का पुतला फूंका गया। आक्रोश रैली को व्यापार मंडल प्रधान फतेहचंद गांधी, स्वामी हरिओम परिव्राजक, मनोज गोयल, जिला महासचिव व्यापार मंडल, मुकेश सैनी, डा. सतेंद्र गौड़ सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने एक सुर में इस्लामिक आतंकवाद की निंदा की और इस आतंकवाद का पोषणकर्ता पाकिस्तान को बताया। वक्ताओं ने कहा कि हम सभी को जाति-पाति और अन्य भेदभाव छोड़ कर एकजुट होकर इस्लामिक आतंकवाद का सामना करना होगा। वरना आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

कुरुक्षेत्र। पालिका बाजार में बंद पड़ी दुकानें।

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद पीएनबी रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन के सदस्य।

पीएनबी रिटायर्ड आफिसर्स एसो. ने की निंदा

पीएनबी रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन ने एक निजी होटल में बैठक की। इसमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पुरजोर निंदा की गई और इस हमले में मारे गए निरापराध लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। एसोसिएशन के कन्वीनर हाकम चौधरी एवं वरिष्ठ सदस्य जयभगवान बंसल ने आंतकियों द्वारा की गई नृशंसा हत्या को पड़ोसी मुल्क द्वारा की गई गहरी साजिश बताया और शहीद परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की गई तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह की घटना अमानवीय है और किसी भी रूप में इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की एकता अखंडता और सुरक्षा को मध्यनजर रखते हुए केंद्र सरकार को आरोपियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

शहीदों की याद में लगाया रक्तदान शिविर

कुरुक्षेत्र। सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा सेक्टर 17 स्थित कुरुक्षेत्र ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर को पहलगाम में मारे गए पर्यटकों के नाम समर्पित किया गया। शिविर में 30 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर शहीद पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने लोगों से अपील की कि जैसा हम सब लहू का रंग एक है। ऐसे हम सब भारतवासी भी एक है। हम मिलजुलकर रहना होगा। जिससे हमारे देश को तोडने वाली ताकतें अपने मकसद में सफल ना हो सके। यहीं सच्ची श्रद्धांजिल हो उन शहीदों के प्रति। एकत्रित किया गया रक्त जरूरतमंद लोगों को दिया जाएगा। संस्था के प्रदेश प्रवक्ता तरुण ने बताया है कि सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा यह 458वां रक्तदान शिविर है। शिविर में रक्तदाताओं ने रक्तदान कर पहलगाम शहीदों को याद किया और भारत सरकार से इस कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग रखी। शिविर में नरेश ढींगढा, काकू, नरेन्द्र सिंह, उमाकांत, जगदीश, मनदीप, कुलदीप, संजय, राजेश, राहुल, हर्ष, माया राम, ओम प्रकाश, विकास, पूर्ण नेगी, विनय कुमार, संजय नेगी आदि रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

लाडवा। मोमबत्ती जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधान पवन गर्ग व साथी।

आतंकी हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लाडवा। हिंदू हाई स्कूल, लाडवा के प्रधान पवन गर्ग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस नृशंस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है और ऐसी घटनाएं देश को झकझोर कर रख देती हैं। इस दुखद अवसर पर पवन गर्ग के साथ हिंदू हाई स्कूल की मोनिका अग्रवाल, स्टाफ सदस्य और अन्य गणमान्य नागरिकों ने त्रिवेणी स्थल पर एकत्र होकर कैंडल जलाकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकसंतप्त परिवारों को यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर हरप्रीत सिंह चीमा, नरेंद्र सिंगल, रविंद्र बंसल, ईश्वर चंद्र गोयल, एडवोकेट योगराज, जोगध्यान, निर्मल, नीरज इत्यादि मौजूद रहे।

भद्रकाली शक्तिपीठ में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कुरुक्षेत्र। पहलगाम की बैसारन घाटी में हुए अमानवीय आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष श्रद्धालुओं की स्मृति में माँ भद्रकाली शक्तिपीठ, कुरुक्षेत्र में शनिवार को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शनिवार को प्रातः 11 बजे किया गया, जिसमें पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा के सानिध्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालु व सेवक मंडल के सदस्य शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा के दौरान वातावरण गमगीन था और हर चेहरा शोक में डूबा हुआ दिख रहा था। श्रद्धालुओं ने कहा कि यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और पूरे देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ेगा। इस अवसर पर 2.5 फीट ऊँची विशेष मोमबत्ती एवं 500 से अधिक छोटी मोमबत्तियां प्रज्वलित कर दिवंगत सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। श्रद्धांजलि स्थल पर एक बड़ा फ्लेक्स बोर्ड लगाया गया, जिसमें शहीदों के नाम अंकित थे, उस पर पुष्प मालाओं को चढ़ाया गया।

प्रत्येक सोमवार को आदेश में विशेष डायबिटिक क्लिनिक होगा आयोजित

- अत्याधुनिक डायबिटिक ऑटो लैब नामक नवीनतम मशीन इंस्टॉल की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

डायबिटीज के मरीजों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ने अपने परिसर में एक अत्याधुनिक डायबिटिक ऑटो लैब नामक नवीनतम मशीन इंस्टॉल की गई है। वहीं प्रत्येक सोमवार को आदेश में विशेष डायबिटिक क्लिनिक आयोजित किया जाएगा और जोकि मधुमेह के रोगियों के लिए बेहद कारगर साबित होगा। इस विशेष डायबिटिक क्लिनिक में अनुभवी चिकित्सकों की टीम मधुमेह के रोगियों की जांच करेगी। यह जानकारी देते हुए डा. दिवांशी शर्मा ने बताया कि इस लैब में डायबिटिक ऑटो लैब नामक नवीनतम मशीन इंस्टॉल की गई है, जो आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है। डा. दिवांशी शर्मा ने जानकारी दी कि डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसमें समय पर जांच और सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक होती है। नई डायबिटिक लैब से मरीजों के लिए उपचार को और भी अधिक प्रभावी और आसान बनाया जा सकेगा। डा. दिवांशी शर्मा ने बताया कि इसके माध्यम से महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की जाएंगी, जिनमें डायबिटिक ओपीडी बुकलेट, पेशेंट काउंसलिंग, फंडस एग्जामिनेशन, मुफ्त पॉइंट-ऑफ-केयर, स्वयं रक्त शर्करा निगरानी, इंसुलिन इंजेक्शन तकनीक का प्रशिक्षण, इस पहल का उद्देश्य डायबिटीज के मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी बीमारी को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकें और जटिलताओं से बचा जा सके।

कुरुक्षेत्र। रोगियों की जांच करते व जानकारी देते डा. दिवांशी शर्मा।

विद्यार्थियों ने गऊओं को चारा डाल कमाया पुण्य

कुरुक्षेत्र। बीआर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में प्रार्थना सभा में भारत के सुविख्यात गणितज्ञ रामानुजम के गणितीय योगदान से छात्रों को परिचित करवाया गया। छात्रों को सिक्किम राज्य के गठन के विषय में बताया गया। क्वालिटी सर्कल के अन्तर्गत ब्रह्मकुमारी बहन मधु ने छात्रों के समक्ष पॉवर ऑफ टोलरेंस विषय पर अपना व्याख्यान अत्यंत सरल शब्दों में दिया। छात्रों में मानवीय मूल्यों को जीवंत करने के उद्देश्य से उन्हें श्रीकृष्ण कृपा गऊशाला ले जाया गया। जहां उन्होंने अपने हाथों से गऊओं को रोटी व चारा डालने का पुण्य कमाया। आज सीनियर वर्ग के छात्रों के लिये टेलैट हंट में सिंगिग, डांसिंग एवं एक्टिंग का आयोजन करवाया। इस टेलैट हंट में छात्रों ने बढ़ चढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रबंधन समिति के चेयरमैन दीपक चोपड़ा ने सभी छात्रों को अपना शुभाशीष दिया। प्राचार्या पूजा कंबोज ने प्रत्येक छात्र को अपनी आंतरिक प्रतिभा व हुनर को पहचान कर उसे निरंतर निखारने को प्रेरित किया।

ईश्वर का ध्यान लगाने पर बड़े से बड़ा संकट टल जाता : अनिल शास्त्री

- आरके एन्क्लेव, पटियाला बैंक कॉलोनी में भागवत कथा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आरके एन्क्लेव, पटियाला बैंक कॉलोनी में श्रीगौ गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में भागवत प्रवक्ता वेदाचार्य अनिल शास्त्री ने कहा कि मनुष्य चाहता है कि हमारे सभी इच्छाएं पूर्ण हो लेकिन संसार के किसी भी प्राणी की सभी इच्छा कभी पूरी नहीं हुई है। एक इच्छा की पूर्ति होने के बाद स्वतः दूसरी इच्छा खड़ी हो जाती है। और यही दुख का कारण है। कथावाचक अनिल शास्त्री ने कहा कि जब तक इच्छाओं का दमन नहीं होगा तब तक हम परमात्मा की और अग्रसर नहीं हो सकते। वेदाचार्य अनिल शास्त्री ने कहां कि जितना सांसारिक चीजों में मोह माया बढ़ता जाएगा, उतना ही हम परमात्मा से दूर होते चले जाएंगे। अतः जीवन में परमात्मा प्राप्ति की इच्छा करने वाले लोगों को पहले अपनी इच्छाओं का दमन करना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य रंगनाथ शास्त्री, उमेश साहनी, रिंकू शाक्या,वीरेंद्र बराड़, अर्जुन पासवान, सुनील कुमार, दिलीप राय, बाबु राम आदि मौजूद रहे।

बच्चों का स्वच्छता के महत्व पर दी जानकारी

कुरुक्षेत्र। लिटल मिलेनियम सेक्टर-3 में आयोजित पेरेंट-टीचर मीटिंग के अवसर पर एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरोग्यम अस्पताल से प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज अरोड़ा विशेष रूप से आमंत्रित किए गए। डॉ. अरोड़ा ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा अभिभावकों को बच्चों के संपूर्ण विकास, सही पोषण, टीकाकरण और स्वच्छता के महत्व पर जानकारी दी। बच्चों की ऊंचाई, वजन, दांतों, नेत्रों और सामान्य स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर का उद्देश्य बच्चों के बेहतर विकास को सुनिश्चित करना था।

आतंकवादियों का असली मकसद देश की एकता को तोड़ना: एडवोकेट गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानव अधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि इस हमले में कुछ आतंकवादियों ने भारतीय नागरिकों का धर्म पूछकर उन पर हमला किया, जबकि कुछ को जानबूझकर छोड़ दिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिन लोगों को छोड़ा गया, वे भी उसी धर्म के थे, जिसके लोगों को निशाना बनाया गया था। एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी केवल देश में धर्म के नाम पर दंगा फैलाने और समाज में नफरत का जहर घोलने की साजिश कर रहे हैं। उनकी मंशा सिर्फ हिंसा नहीं, बल्कि भारत की एकता और अखंडता को तोड़ना है। हमें इनके इस षड्यंत्र को पहचानना होगा और एकजुट होकर इसका मुकाबला करना होगा।

बाल विवाह एक अभिशाप : सिरसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के तहत एमडीडी आफ इंडिया द्वारा न्याय तक पहुंच अभियान के तहत अक्षय तृतीय पर संभावित बाल विवाह रोकथाम, बाल मजदूरी व बाल यौन शोषण को रोकने के लिए एमडीडी ऑफ इंडिया के जिला सह संयोजक रामलाल सिरसल के नेतृत्व में पिपली के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को जागरूक किया। एमडीडी ऑफ इंडिया के जिला सह संयोजक रामलाल सिरसल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है। बाल विवाह लड़की के समग्र विकास को प्रभावित करता है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पैसे कमाने की क्षमता, व्यक्तिगत सुरक्षा, कानूनी अधिकार शामिल है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीय पर बाल विवाह होने की संभावना अधिक रहती है। इसलिए अगर हमें बाल विवाह का पता चलता है तो हमें उनकी तुरंत जानकारी अधिकारियों जैसे बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन, ग्राम सरपंच, तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, स्कूल शिक्षक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि गांवों में अक्षय तृतीय पर ज्यादातर बाल विवाह के मामले सामने आते हैं। इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या शशि किरण ने एमडीडी ऑफ इंडिया के प्रयासों की सराहनीय करते हुए कहा कि ऐसे जागरूक कार्यक्रम प्रत्येक गांव व विद्यालय में चलाए जाने चाहिए ताकि समाज को ऐसी कुरीतियों से बचाया जा सके।

सुमन गुप्ता ने संगमेश्वर धाम व गोविंदनंद आश्रम में टेका माथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

शिवसेना हिंदुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी एवं श्रीराम हनुमान सेवा दल की पंजाब अध्यक्ष सुमन गुप्ता ने पिहोवा के पवित्र संगमेश्वर धाम अरुणाए और गोविंदनंद आश्रम ठाकुरद्वारा में श्रद्धाभाव से माथा टेका। भगवान के श्रीचरणों में नमन कर उन्होंने राष्ट्र, समाज और मानवता के कल्याण के लिए विशेष प्रार्थना की। इस अवसर पर सुमन गुप्ता ने हाल ही में पहलगांव और पुलवामा में हिंदुओं पर हुई अमानवीय घटनाओं की घोर निंदा की तथा दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु गहन प्रार्थना अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ शिवसेना हिन्दुस्तान प्रदेश अध्यक्ष जगीर मोर जिला अध्यक्ष रोशन शर्मा, जिला कुरुक्षेत्र श्रीराम हनुमान सेवा दल के प्रधान शम्भू शर्मा, किरण गुप्ता, शक्कु, संतोष, तमन्ना, सोनम सहित कई श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता | राज्य स्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर में झज्जर ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

डीआरओ चेतना चौधरी ने किया प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित

सीखने के जज्बे को ध्येय बनाकर प्रशिक्षणार्थी आपदा से निपटने के लिए अपने-अपने जिलों में बनाएं टीमें : चेतना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी ने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग सबसे पुराना विभाग है और प्राकृतिक विपदा के समय हमेशा मदद करता है। आपदा के समय किसी का जीवन बचाना समाज की सबसे बड़ी सेवा है। राज्य स्तरीय बाढ़ राहत शिविर में प्रशिक्षण लेने के बाद सभी प्रशिक्षणार्थी आपदा के समय दूसरों के जीवन की रक्षा करने के लिए अपने-अपने जिलों में टीम बनाएं और नए लोगों को अपने साथ जोड़ें। सभी प्रशिक्षणार्थियों को आपदा के लिए हमेशा मुस्तैद रहने और अच्छे परिणाम के लिए निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए। जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी शनिवार को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा व जिला प्रशासन के तत्वाधान में ब्रह्मसरोवर पर आयोजित 6 दिवसीय राज्य स्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में बाढ़ की समस्या होती है, इसलिए हमें जन जीवन व पशु धन के जीवन को बचाना है इसके लिए हमें हर चीज बारीकी से सीखनी होगी, हमें राफ्ट मेकिंग आना चाहिए, जिन गांवों में लकड़ी की पुरानी बल्ली मिले उसे इस्तेमाल करें क्योंकि यह बाढ़ के समय काम आएगी। हमें संचार साधन सही रखना होगा, समय आने पर लोगों को जानकारी देनी होगी तथा बचाव के साधन समझाने होंगे। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए सभी को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। राज्य स्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर में पानीपत के शिव कुमार ने श्री जितेन्द्र सिंह मेमोरियल ट्रॉफी, आशीष भिवानी ने श्री जगपाल सिंह मेमोरियल ट्रॉफी व झज्जर के मनीत को नायाब सिंह मेमोरिय ट्राफी प्रदान की गई जबकि ओवरऑल ट्रॉफी जिला झज्जर को प्रदान की गई। इसके अलावा रैड क्रॉस से अंजू कश्यप, किरन, प्रताप सिंह, राकेश, रमन, जय कुमार को सम्मानित किया।

कुरुक्षेत्र। विजेता टीम को सम्मानित करती डीआरओ चेतना चौधरी।

तैराकी प्रतियोगिता में पानीपत के शिव कुमार प्रथम

डीआरओ चेतना चौधरी ने कहा कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें चप्पू द्वारा किश्ती चालन प्रतियोगिता में भिवानी के आशीष कुमार ने प्रथम, करनाल के रामपाल ने द्वितीय व जींद के अजय व कैथल के श्रवण तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में पानीपत के शिव कुमार प्रथम,झज्जर के अमित ने द्वितीय, झज्जर के दीपक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बनावटी तैराकी साधन प्रतियोगिता में जींद के जसवीर सिंह प्रथम, सिरसा के अमित सिंह द्वितीय, रोहतक के जगरूप व कैथल के शिशपाल संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। फर्स्ट एड प्रतियोगिता में झज्जर के मनीत प्रथम, कैथल के रामकुमार द्वितीय, कुरुक्षेत्र के गुलाब सिंह व हिसार के अमन तृतीय स्थान पर रहे।

विजेताओं को किया सम्मानित

चीफ इंस्ट्रक्टर मुकेश कुमार ने मेहमानों का स्वागत करते हुए 6 दिवसीय शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि इन 6 दिनों में प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य इंस्ट्रक्टर मुकेश कुमार ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। इससे पहले मुख्य अतिथि डीआरओ चेतना चौधरी के सामने विभाग द्वारा शिविर में सीखी गई चीजों का डेमो भी प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर तैराकी, किश्ती चालन, फर्स्ट एड, होमगार्ड प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कला प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने का मंच : प्रो. अनिता दुआ

थानेसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में तीन दिवसीय सामूहिक कला प्रदर्शनी वप्रस्थान का उद्घाटन करते हुए आईटीटीआर की प्राचार्या प्रो. अनीता दुआ ने कहा कि कला प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने का मंच है। कला केवल रंगों और आकृतियों का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक सोच, एक दृष्टिकोण, और समाज को देखने व बदलने का तरीका है। नवप्रस्थान जैसी प्रदर्शनी, युवा कलाकारों को मंच प्रदान कर उनकी संवेदनाओं को आकार देती है। इस अवसर पर प्रदर्शनी में भाग ले रहे छात्र कलाकारों अदिति वालिया और तनीषा गोयल के कार्यों की सराहना की और उनके विचार भी सुने। डॉ. गुरुचरण सिंह ने बताया कि छात्रा अदिति वालिया ने अपनी कला के माध्यम से समाज की रूढ़िवादी सोच पर सवाल उठाए।

डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मनाया गया पोषण पखवाड़ा

पारंपरिक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूक गतिविधियां आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अप्रैल माह को पोषण पखवाड़ा के रूप में मनाया गया। इस दौरान इको क्लब फॉर मिशन लाइफ एवं साइंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पोषण, स्वच्छता तथा पारंपरिक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने हेतु विविध जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मध्य स्वास्थ्य के प्रति सजगता उत्पन्न करना रहा। कक्षा 3 और 4 के विद्यार्थियों हेतु हैंडवॉश गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें कर्मवीर एवं रोहित द्वारा हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन किया गया। यह गतिविधि जूनियर प्रातःकालीन सभा में आयोजित की गई जिसमें लगभग 250 विद्यार्थी व 40 शिक्षक शामिल हुए।

अंबाला। पोषण पखवाड़ा के तहत आयोजित गतिविधि में हिस्सा लेते छात्र। फोटो : हरिभूमि

कक्षा 9 के विद्यार्थियों द्वारा श्रीमती भावना सैनी के मार्गदर्शन में मिलेट्स (श्री अन्ना) विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी दिन कक्षा 8 के विद्यार्थियों ने श्रीमती अंजू डोगरा के निर्देशन में "पोषण का महत्व" विषय पर नारे लेखन प्रतियोगिता में भाग लेकर जागरूकता का संदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डाली तो होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने तमाम पुलिस अधिकारियों की आपात मीटिंग बुलाकर जरुरी दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने पहलगाम आतंकी घटना के मद्देनजर आमजन से कानून व्यवस्था व सममाजिक सौहार्द कायम करने की अपील की है। साथ ही सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई के भी निर्देश दिए। एसपी ने सभी पुलिस ऑफिसर्स , पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रबंधक थाना व चौकी, निरीक्षक सीआईए, एंटी नारकोटिक सैल, शाखा प्रभारी कार्यालय के जवानों को निर्देश दिए कि वह अपना कार्य मेहनत, लगन, सच्चीनिष्ठा और ईमानदारी व निष्पक्षता से करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

अंबाला। मीटिंग के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते एसपी अजीत सिंह।

एसपी ने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रबंधक थाना व चौकी , यूनिट इंचार्ज व सभी अनुसंधान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि फरियादी की शिकायत पर जल्द से जल्द जांच कर कार्रवाई की जाए। पर्यवेक्षण अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि लंबित शिकायतों पर वह खुद संज्ञान लें। अपराधों की रोकथाम हेतु आदेश देते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा नाका बंदी करके नाकों पर आवारा, आपराधिक किस्म के व्यक्तियों को काबू करें। चेकिंग अभियान चलाकर नशा तस्करी, आपराधिक गतिविधियों, शराब तस्करी व सार्वजनिक स्थान पर शराब पीन वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई अमल में लाई जाए। प्रबंधक थाना को आदेश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में दबंग लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें ताकि आमजन निर्भीक हो व आपराधिक किस्म के व्यक्तियों में भय पैदा हो। पुलिस अधीक्षक ने पहलगाम आतंकी घटना के मद्देनजर आमजन से कानून व्यवस्था व सामाजिक सौहार्द कायम करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की भडकाऊ पोस्ट को अपने मोबाइल से शेयर न करें जिससे आमजन में डर का माहोल पैदा हो। सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ सभी प्रबंधक थाना को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा के आमजन को न्याय दिलाना व बेहतर माहौल देना उनकी प्राथमिकता है।

खबर संक्षेप

सीएम व उनकी पत्नी का जताया आभार

नारायणगढ़। गुरुद्वारा रातगढ़ साहिब की प्रबंधक कमेटी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उनकी धर्मपत्नी एवं हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी का आभार जताया है। सीएम व उनकी पत्नी ने गुरुद्वारा रातगढ़ साहिब की धर्मशाला के लिए 11 लाख रूपये दिए थे। सरदार कुलदीप सिंह दीप्पी ने बताया कि इससे पहले भी लगभग 42 लाख रूपये गुरुद्वारा साहिब की बिल्डिंग के लिए मुख्यमंत्री जी दे चुके हैं। इस अवसर पर सचिव गुरजंट सिंह, कुलदीप सिंह, भगत सिंह, लाल सिंह, हरजिंद्र सिंह, हरिन्द्र सिंह, जग्गी सिंह, पृथ्वी सिंह, जसपाल सिंह गुरमीत सिंह, बलविंद्र सिंह मौजूद रहे।

छात्राओं का शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास जरूरी

शहजादपुर। राजकीय महिला महाविद्यालय, शहजादपुर में प्राचार्य डॉ. उमेश भारती की अध्यक्षता में मेंटर-मेंटी मीटिंग और अभिभावक-शिक्षक बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना तथा अभिभावकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना था। मीटिंग में छात्राओं और उनके मेंटर्स के बीच सकारात्मक संवाद हुआ। प्राचार्य डॉ. उमेश भारती ने छात्राओं को उनके करियर लक्ष्यों और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गेहूं के उठान में नहीं होनी चाहिए देरी

अंबाला। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि जिले में 15 मंडियों व खरीद केंद्रों पर सरकारी व अन्य एजेंसियों द्वारा अब तक 230079.3 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद पूरी हो गई है। अब तक 45991 किसान गेहूं लेकर मंडियों में आ चुके हैं। एजेंसियों द्वारा गत दिवस तक 65.5 प्रतिशत के साथ 160069 मीट्रिक टन गेहूं के उठान कार्य को पूरा कर लिया है। उपायुक्त एजेंसियों के अधिकारियों को गेहूं उठान कार्य में तेजी लाने के आदेश देते हुए कहा कि गेहूं खरीदने के बाद लिफ्टिंग के कार्य में देरी नहीं होनी चाहिए।

लोकमाता अहिल्याबाई की मनाई गई जयंती

बराड़ा। डीएवी पब्लिक स्कूल में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के 10 प्रतिष्ठित विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रतिभागी विद्यालयों में एमएम इंटरनेशनल स्कूल मुलाना, मेवरिक इंटरनेशनल स्कूल मुलाना, शैमफर्ड स्कूल , अकाल एकेडमी होली, संत प्रेम सिंह स्कूल उगाला, डिवाइन ग्लोरी स्कूल धनौरा, डीएवी पब्लिक स्कूल , लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल उगाला तथा आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारा देहरा के विद्यार्थी शामिल रहे। बच्चों ने बेहद उत्साह के साथ भाग लेते हुए अहिल्याबाई के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंग प्रस्तुत किए तथा प्रश्नोत्तर के माध्यम से उनकी महानता से सबको अवगत कराया।

नपा अध्यक्ष ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

सदर नप 32 वार्डों में लगाएगी 1300 लाइटें, हर सदस्य को मिलेंगी 40 लाइटें

- लाइटों का बेहतर तरीके से रखरखाव किया जाएगा
- वार्ड सदस्य को इसकी लिखित में जानकारी देनी होगी कि स्ट्रीट लाइटों को कौन सी जगह पर लगाया
- स्ट्रीट लाइट लगाने के बाद मौके की फोटो भी संबंधित कर्मचारी नप अध्यक्ष को भेजेंगे, जिससे लोगों की परेशानी दूर हो सके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नगर परिषद की ओर से सभी 32 वार्डों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाने की योजना तैयार हो गई है। नपा की ओर से सभी वार्डों में 1300 स्ट्रीट लाइटें उपलब्ध कराई जाएंगी। नपा अध्यक्ष स्वर्ण कौर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इसके तहत विभाग को जल्द से जल्द वर्क ऑर्डर जारी करने के लिए कहा है। नगर परिषद अध्यक्ष की ओर से तैयार की योजना के प्राथमिक चरण में प्रत्येक वार्ड सदस्य को 40 स्ट्रीट लाइटें दी जाएंगी। वार्ड सदस्य को इसकी लिखित में जानकारी देनी होगी कि स्ट्रीट लाइटों को कौन सी जगह पर लगाया जाएगा। स्ट्रीट लाइटों के लगाने से पहले मौके के हालात देखे जाएंगे, जिससे कि ऐसा न हो कि एक ही गली में 10 से 15 लाइटें लग जाएं। वहीं स्ट्रीट लाइट लगाने के बाद मौके की फोटो भी संबंधित कर्मचारी नप अध्यक्ष को भेजेंगे, जिससे कि स्थानीय निवासियों की परेशानी दूर हो सके।

वार्ड स्तर पर मिल रही शिकायतें

नप के अधीन 32 वार्डों में लगभग 25 हजार स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं। इनमें से आधी स्ट्रीट लाइटों का रख-रखाव नगर परिषद की निर्धारित टीम की ओर से किया जा रहा है और आधी निजी कंपनी की टीम की ओर से। बावजूद इसके अभी भी वार्डों में कुछ गलियां और मोहल्ले ऐसे हैं, जहां स्ट्रीट लाइटों की बेहद आवश्यकता है। रात के समय अंधेरा पसरने के कारण चोरी का डर बना रहता है। इस संबंध में पूर्व में भी कई शिकायतें नगर परिषद के पास आई थीं, लेकिन नई स्ट्रीट लाइट न होने के कारण लोगों की परेशानी का समाधान नहीं हो पाया। अंबाला छावनी क्षेत्र में लगी सभी लाइटों की निगरानी करने के लिए नगर परिषद के कार्यालय में एक केंद्रीकृत सेंटर बनाने की योजना है। इस योजना के तहत स्ट्रीट लाइटों में एक विशेष प्रकार की चिप लगाई जाएगी जोकि कंप्यूटर आधारित जानकारी देने में सक्षम होगी। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति स्ट्रीट लाइट के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ करता है तो उसकी जानकारी तुरंत नप की अभियांत्रिकी टीम तक पहुंच जाएगी। नपा अध्यक्ष स्वर्ण कौर ने बताया कि वार्ड स्तर पर नई स्ट्रीट लाइटों को लगाने का खाका तैयार किया है। प्राथमिक चरण में लगभग 40 स्ट्रीट लाइटें प्रत्येक वार्ड में लगाई जाएंगी। अभियांत्रिकी विभाग को वर्क ऑर्डर जारी करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

श्री कृष्ण कृपा धाम मंदिर का धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

प्राण प्रतिष्ठा के बाद मूर्ति हो जाती है देव तुल्य: महामंडलेश्वर ज्ञानानंद

- श्रीकृष्ण कृपा धाम में इसी दिन युगल सरकार पधारे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

श्री कृष्ण कृपा धाम मंदिर सेक्टर-8 अंबाला शहर का वार्षिक उत्सव बडी धूमधाम व श्रद्धा पूर्वक महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज की अध्यक्षता में मनाया गया। दिल्ली से पधारे नितिन कथूरिया संगीत सम्राट द्वारा गाए भजनों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर सतंसग करते हुए गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि तिथि अनुसार श्रीकृष्ण कृपा धाम में इसी दिन युगल सरकार पधारे थे। उन्होंने कहा कि अपनी सनातम परमपराओं में मूर्ति तब तक ही होती है जब तक प्राण प्रतिष्ठा नहीं हो जाती ,जब प्राण प्रतिष्ठा हो जाती है तब वो मूर्ति नहीं रह जाती वे हमारे लिए साक्षात भगवान होते है। उन्होंने कहा कि ये भाव आस्था की बात है जिनको आस्था ही नहीं है,उनको नहीं मानना और वे नहीं मानते क्योंकि बुद्धि ही ऐसी है। यदि भगवान सामने खड़े हो फिर भी वो नहीं मानते । गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि कुछ लोग ऐसे ही होते है कि ये तो भाव की आंखे जिन के पास है उनको ही दर्शन देते हैं। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा सेवा समिती व समाज के प्रबुद्ध लोगों अशोक चावला,हरेंद्र गुलाटी,हैप्पी चावला, जगंदीश सचदेवा, सतीष चावला,भारत भुषण बत्रा,राजू चावला ,दिनेश गोवर ,केवल चावला, मनमोहन कपूर,रविंद्र चोपडा, मेयर शैलजा सचदेवा, संदीप सचदेवा, जगमोहन लाल कुमार, दर्शन कुमार एसडीएम, साजन गुप्ता, विनय बक्शी, मनोहर लाल सचदेवा ने स्वामी जी का अभिनंदन करके उनसे आशीवांद लिया।

अंबाला। कार्यक्रम के दौरान भगवान कृष्ण की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य तथा मौजूद लोग। फोटो : हरिभूमि

व्यवहारिक ज्ञान की आवश्यकता पर विस्तार से डाला गया प्रकाश

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में समर इंटर्नशिप प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन कॉमर्स विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितु चांदना द्वारा किया गया। नई शिक्षा नीति के अनुरूप आयोजित इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्राओं को अनुभव-आधारित शिक्षा तथा कौशल विकास की ओर प्रेरित करना था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विश्व दीप ने छात्राओं से संवाद करते हुए इंटर्नशिप के महत्व, करियर विकास में उसकी भूमिका तथा नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में व्यवहारिक ज्ञान की आवश्यकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कॉलेज प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने कहा कि इंटर्नशिप छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये उन्हें वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करती हैं, नए कौशल सीखने का अवसर देती हैं तथा उद्योग जगत के पेशेवरों के साथ नेटवर्क स्थापित करने में मदद करती हैं।

अंबाला। भव्य चौकी का पोस्टर जारी करते पदाधिकारी।

बाल योगी श्री सिद्ध बाबा बालक नाथ की विशाल चौकी का आयोजन आज

अंबाला। अंबाला शहर के बाल योगी श्री सिद्ध बाबा बालक नाथ ट्रस्ट के तत्वाधान में बाल योगी श्री सिद्ध बाबा बालक नाथ की विशाल चौकी का आयोजन 27 अप्रैल 2025 को सायः 6:30 बजे श्री राधा कृष्ण खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में किया जाएगा। संस्था के संस्थापक पवन अग्रवाल ने बताया कि इस चौकी में श्री श्री 1008 महंत राजेंद्र गिरी जी महाराज (गुफा देयोट सिद्ध) से विशेष रूप से भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए आ रहे हैं । संस्था के प्रधान संजीव जैन ने बताया कि गौतम जालंधरी (जालंधर वाले) बाबा बालक नाथ के बड़े सुंदर सुंदर भजन सुनाएंगे। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल मुख्यअतिथि होंगे। संस्था के महासचिव रोहित गर्ग ने बताया कि इस बाबा बालक नाथ की चौकी में श्री खाटू श्याम जी का भी बड़ा भव्य दरबार लगाया जाएगा। उसमें भजनों की हाजिरी कपिल अग्रवाल और रोहित अग्रवाल (अंबाला) सुंदर भजनों से बाबा श्याम को रिझाएंगे । संकीर्तन संयोजक नितेश सिंगला, स्वपन जैन, गुरविंदर सिंह और अन्य सदस्य गण इस कार्यक्रम की रूपरेखा संभालेंगे।

गवर्नमेंट कॉलेज में हुआ पूर्व छात्र मिलन समारोह

पूर्व विद्यार्थियों ने की अपनी यादें ताजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में आज पूर्व छात्र मिलन समारोह एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के पूर्व छात्रों ने आपस में मिलकर अपने समय की यादें ताजा की। समारोह का शुभारंभ प्रिंसिपल डॉ देसराज बाजवा ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में कई पूर्व प्रोफेसर ने भी अपने अनुभव साझा किए। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा ने कहा कि पूर्व छात्रों का एक बार फिर अपने कॉलेज कैंपस में इकठ्ठा होना बहुत ही सुखद अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि अपने पूर्व छात्रों को एक सफल व्यक्ति के तौर पर देखना किसी भी शिक्षक के लिए सफलता का पैमाना है। उन्होंने छात्रों को जीवन में सफलता हासिल करने का आशीर्वाद भी दिया। एल्यूमनाई एसोसिएशन के कन्वीनर डॉ. रविकांत ने बताया कि समारोह में कुल 92 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस।मौके पर छात्र लेक्चरर धर्मवीर सिंह,मस्तान सिंह,कृपाल सिंह,सुधीर, डॉ. रजनी, स्कूल प्रिंसिपल डॉ कल्पना, मीडियाकर्मी कुलविंदर, हरप्रीत,नीरज,मनीष कुमार,मैनेजर टोनी कुमार ने अपने अनुभव छात्रों को बताए। पूर्व छात्र धर्मवीर सिंह ने एलुमनाई एसोसिएशन को 11 हजार रुपए का सहयोग भी दिया। समारोह को पूर्व प्रोफेसर डॉ. प्रकाश, डॉ. गुरदेव सिंह, डॉ. सुरेश देसवाल, डॉ. सुल्तान ढुल, डॉ. आरके शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रो गुरविंदर व डॉ रोहिणी ने किया।

अंबाला। कॉलेज प्राचार्य डॉ. देशराज बाजवा का अभिनंदन करते पूर्व छात्र। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम | प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विवि की ओर से नपा अध्यक्ष के साथ सदस्यों को किया गया सम्मानित

कभी भी कड़वे वचन मुख से ना निकालें

हमारे विचार, भावनाएं, वृत्ति और स्मृति में एकता होना जरूरी: ब्रह्माकुमारी शैली दीदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के दयालबाग स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा ल भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें अंबाला छावनी के नगर परिषद के अध्यक्ष एवं सदस्य का अभिनंदन किया गया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली दीदी ने दिल और दिमाग़ दोनों एक ही रास्ते पर चले उसकी रीति बताते हुए कहा कि हमारे मन में एक टीम होती है। थॉटस, इमोशंस, एटीट्यूड, एंड मेमोरीज की। साधारण शब्दों में हम इसको कहे तो हमारे मन में कई बार दिल और दिमाग़ की लड़ाई चलती है। दिल कुछ और कहता है मन कुछ और कहता है। हमारे विचार, भावनाएं, वृत्ति और स्मृति इन चारों टीम वर्क की एकता बहुत ज़रूरी है,

अंबाला। सम्मानित किए गए नपा सदस्य व अध्यक्ष।

जिससे ही परिवार में एकता लाना, समाज में एकता लाना, जिस भी संस्था या जिस पार्टी के साथ हम जुड़े हुए है और जो हम राष्ट्रीय एकता की बात करते है उसको अचीव करना ईज़ी हो जाएगा। बाहर के दिखावे की एकता नहीं बल्कि अंदर की एकता लाना ज़रूरी है। हमें स्वयं को सद्गुणों के रंगों से रंगना ज़रूरी है। भगवान ने जो मुझमें विशेषताएं भरकर भेजी है उसका मुझे उपयोग करना है। कमियां तो बाहर से लगे हुए दाग है। मेडिटेशन के दूसरे स्टेप में हम स्वयं को गॉड से कनेक्ट करते है और उनकी पवित्र पॉजिटिव एनर्जी स्वयं में भरते जाते है। मेडिटेशन का तीसरा स्टेप है स्प्रेड दी पॉजिटिविटी अर्थात परमात्मा से प्राप्त सकारात्मकता को हम अपनी अपनी फ़ील्ड या जिस क्षेत्र में हम अपनी सेवा दे रहे है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के कथन बताते हुए कहा कि दादी कहते थे हार्मनी बनानी है तो हार मान लो अर्थात चुप हो जाओ किसी भी बहस में चुप हो जाओ। अहम को भूलकर हमें एक दूसरे के साथ मिलकर चलना होगा। मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष स्वर्ण कौर ने कहा कि यहां के सकारात्मक माहौल में हम सब सदस्य यहां से यह प्रण करकर जाएंगे कि हम सभी सत्य की राह पर चलते हुए अपना कार्य ईमानदारी से करेंगे। ब्रह्माकुमारीज़ अंबाला सब ज़ोन डायरेक्टर राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने सबको आशीर्वचन देते हुए कहा कि सब कार्य करते हुए हमें अपने दिमाग़ को शीतल रखना है। उसके साथ साथ हम अपनी ज़ुबान को मीठा बनाए। कभी भी कड़वे वचन मेरे मुख से ना निकले दिल में सर्व आत्माओं के प्रति स्नेह हो प्यार हो लव हो दिल का स्नेह हो। जयपुर से पधारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी हेमा दीदी ने ब्रह्माकुमारी संस्था का परिचय देते हुए संस्था द्वारा देश-विदेश में की जा रही सेवाओं के बारे में सार रूप में सबको बताया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, नपा सदस्य श्याम सुंदर अरोड़ा, शिवा काकरान, नीलम कश्यप, मोहित कौशिक, संजीव अत्री, सोमनाथ, रितु शर्मा, हरमिंदर सिंह, सुधीर जायसवाल, डॉ. शशि, निधि गर्ग, महेश को भी सम्मानित किया गया।

अंतर-सदनीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में चरक सदन ने मारी बाजी

बराड़ा। शैमफॉर्ड स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अंतर-सदनीय नुक्कड़ नाटक व वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'अंतर-सदनीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता' में चरक सदन (शैम गोल्ड) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुश्रुत सदन (शैम रेड) ने द्वितीय स्थान हासिल किया। आर्यभट्ट और पाणिनि सदन ने बराबरी का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में रोमांच भर दिया। नाटक का विषय 'पर्यावरण संरक्षण' था। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अध्यापिकाओं अर्शदीप कौर और मोनिका सैनी ने निभाई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

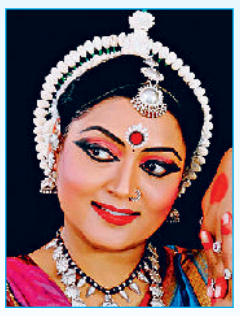

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

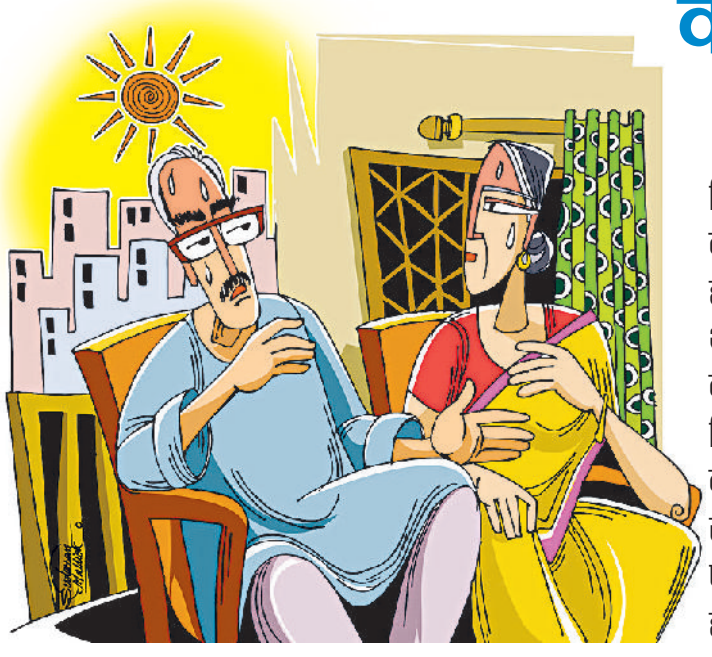

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

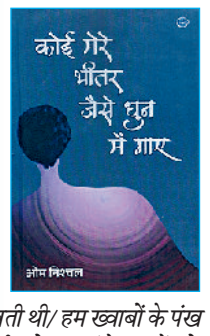

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

खूबसूरत वादियों का शहर ऊटी

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंज्वॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

बोटेनिकल गार्डन

1848 में बनाया गया बोटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मौजूद हैं। यहां करीब 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म भी संजोकर रखा गया है। गार्डन में बनी

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावना और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चीड़ के पेड़, हरे-भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-कॉफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग, घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुत्फ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और ट्रवॉय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के आर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *

रोचक / चंद्रप्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया

डायनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैंकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्तः डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीठ पर बाघ जैसी धारियों वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरतः अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चौंकाने वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है।

पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़ियाः विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है।

लेखक की कल्पना हुई साकारः डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात यह हे कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरेस्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमेजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवित देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन

उपयोगी पेड़ / वीना गौतम

पिछले कुछ वर्षों से स्वादिष्ट फल चीकू की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद स्वादिष्ट फल चीकू की खेती

चीकू, सैपोटेसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिश या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात के अलावा, कर्नाटक के बेलगाम और धारवाड़ क्षेत्र में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है।

व्यावसायिक महत्वः एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठें-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है।

उपयुक्त दशाएंः चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी दोमट और बलुई-दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है।

ऐसे करें चीकू की खेतीः चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा क र ना चाहिए। गड्ढे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है

बाबिल खान

खास मुलाकात / पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं।

सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट'?

'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है।

आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेप्ट किया?

फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

वायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलानी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते है तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इंफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे।

पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं?

मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं दि ला या । उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खेलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है।

कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है।

अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।

एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान को कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत गहरा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेंट में खाना खाने गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मां ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।